लोक सभा सचिवालय
प्रेस एवं जन सम्पर्क स्कंध
संसद भवन, नई दिल्ली
LOK SABHA SECRETARIAT
Press and Public Relations Wing
Parliament House, New Delhi

प्रेस विज्ञप्ति PRESS RELEASE

लोक सभा अध्यक्ष ने गुरु नानक के प्रकाश उत्सव की पूर्वसंध्या पर देशवासियों को शुभकामनाएँ दीं

नई दिल्ली, 11 नवम्ब.र, 2019: लोक सभा अध्यक्ष, श्री ओम बिरला ने गुरु नानक के प्रकाश उत्सव की पूर्वसंध्या पर देशवासियों को शुभकामनाएँ दीं । श्री बिरला ने अपने संदेश में कहा:

"बाबा गुरु नानक देवजी के 550वें प्रकाश उत्सव के शुभ अवसर पर सभी देशवासियों को मेरी हार्दिक बधाई और शुभकामनाएँ। गुरुजी के दिव्य अवतार और उनकी शिक्षाओं से हमें पता चलता है कि उनकी सोच समय से कहीं आगे की थी। यह उपदेश देते हुए कि ईश्वर कालातीत, निरंकार और अदृश्य शक्ति है, उन्होंने हमें सिखाया कि धर्म का वास्तविक अर्थ एक ऐसे समतामूलक समाज का निर्माण करना है जिसमें सब समान हैं। उनका दृष्टिकोण मौलिक और सर्वव्यापी था और उन्होने क्षेत्र, जाति और समुदाय के संकीर्ण दायरों को समाप्त करने का समर्थन किया। जिस प्रकार गुरु नानक सभी मनुष्यों को एक समान मानते थे, उसी तरह हमारे देश के द्वार भी सभी लोगों के लिए खुले हैं चाहे वे कहीं से भी आए हों, कोई भी हों अथवा किसी भी धर्म में आस्था रखते हों। आइए, हम गुरु नानक देव जी द्वारा दिखाए गए रास्ते पर चलने की शपथ लें और बेसहारा और बेघर लोगों के लिए दान करें, सभी के लिए समान अधिकार सुनिश्चित करने के प्रयास करें और कड़ी मेहनत से अपना कार्य करें।

LOK SABHA SPEAKER GREETS THE PEOPLE ON THE EVE OF GURU NANAK'S BIRTHDAY

New Delhi, 11 November 2019: Lok Sabha Speaker Shri Om Birla has greeted the people on the eve of Guru Nanak's Birthday. In his message, Shri Birla said:

"My heartfelt greetings and wishes to everyone on the auspicious occasion of the 550th birth anniversary of Baba Guru Nanak Devji. Guruji's divine presence and teachings show us that he was way ahead of his time in his thoughts. Preaching that the Almighty is timeless, shapeless and omniscient, he taught that the real dharma was in creation of a truly egalitarian society where all are equal. Radical and universal in his vision, Babaji advocated dismantling of the walls of region, caste and community.

Much like Guru Nanak's vision of oneness of mankind, our nation has always been open to everyone, regardless of where they come from, who they are, or what they believe in. On this day, let us take a pledge to follow the path shown by Guru Nanakdevji, be it through charity for the destitute, or through making efforts for equal rights for all, or simply by working hard in the path of our choosing."